अमर उजाला

'परम शिवाय' देगा शोध को नई शक्ति

833 टेराफ्लॉप क्षमता वाला पहला सुपर कप्यूटिंग केंद्र बना आईआईटी बीएचयू

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को आईआईटी बीएचयू में सुपर कंप्यूटर 'परम शिवाय' का लोकार्पण किया। अमर उजाला

अमर उजाला ब्यूरो

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू में शोध करने वाले छात्र-छात्राओं को अब सुपर कंप्यूटिंग का भी लाभ मिलेगा। मंगलवार को प्रधानमंत्री ने नेशनल सुपर कंप्यूटिंग मशीन के तहत 32.5 करोड़ से बने 833 टेराफ्लॉप्स (फ्लोटिंग प्वाइंट ऑपरेशंस प्रति सेकेंड) क्षमता के पहले सुपर कंप्यूटर 'परम शिवाय' का लोकार्पण किया।

डिजिटल इंडिया और मेक इन इंडिया को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राष्ट्रीय सुपर कंप्यूटिंग मशीन (एनएसएम) के तहत यह सुपर कंप्यूटर आईआईटी में इंस्टाल किया गया है। संस्थान के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार जैन ने कहा कि सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डैक) ने एनएसएम श्रृंखला के तहत 833 टेराफ्लॉप्स क्षमता का प्रथम सुपर कंप्यूटर 'परम शिवाय' का विकास और निर्माण कर लिया है। इसके बाद अब तक जिस अनुसंधान को पूरा करने में महीनों लगते थे, उसे इस सुपर कंप्यूटर की मदद से घंटों या मिनटों में पूरा किया जा सकेगा। इसका लाभ आईआईटी बीएचयू और बीएचयू के संकाय सदस्यों, वैज्ञानिकों और शोध छात्रों को तो मिलेगा ही, 40 फीसदी कंप्यूटर पावर पूर्वी यूपी के आसपास के इंजीनियरिंग कॉलेज के वैज्ञानिकों, शिक्षकों और शोध छात्रों, सरकारी शोध प्रयोगशालाओं में चल रही राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं को भी दिया जाएगा।

'परम शिवाय' का उपयोग

- वैज्ञानिक क्षेत्रों में स्वदेशी सुपर कंप्यूटर सॉफ्टवेयर का विकास होगा
- सुपर कंप्यूटर प्रोग्राम के तहत मानव संसाधन विकास का प्रशिक्षण
- जलवायु मॉडलिंग, मौसम की भविष्यवाणी, अंतरिक्ष इंजीनियरिंग, भूकंपीय विश्लेषण, वित्त, आपदा सिमुलेशन और प्रबंधन वृहद डाटा एनालिटिक्स, सूचना संग्रह आदि कई क्षेत्रों में प्रयोग